<u>विश्व रेडियो दिवस पर रेडियो मधुबन द्वारा त्वरित नाटक प्रतियोगिता का आयोजन</u>

युनेस्को द्वारा हर वर्ष १३ फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है | इस बार भी माउंट आबू का सामुदायिक रेडियो स्टेशन ने विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमे मारवाड़ी भाषा का नाटक "चिंटू और मिंटू" और गीत "हमारा रेडियो-हमारी आवाज़" का प्रसारण किया गया|

आबू रोड स्थित यु.एस.बी कालेज परिसर में 250 छात्र छात्राओं ने विश्व रेडियो दिवस के थीम "रेडियो इज यू" पर अनेक चर्चाएँ की | जिसमे विश्व रेडियो इतिहास और सामुदायिक रेडियो का समुदाय विकास में योगदान विषय मुख्य रहा | श्री अजय सिंह भाटी, डायरेक्टर यु.एस.बी कालेज, श्री अरविन्द चौहान, श्री कल्पेश जैन, बी के रवि ने भी अपनी प्रेरणाएं दी | रेडियो मधुबन केंद्र प्रमुख बी.के.यशवंत ने भी रेडियो के महत्त्व के बारे अपना सन्देश भेजा |

सामाजिक सरोकार पर रेडियो के योगदान पर आधारित चार त्वरित नाटक का भी मंचन हुआ | जिसमे 6–6 छात्र-छात्राओं के 4 ग्रुप बनाये गए जिन्होंने 15 मिनट की अवधि में एक-एक नाटक की रचना कर सभी के सामने प्रस्तुति दी | यह नाटक विषय इस प्रकार थे :-

- बाल विवाह
- स्वच्छता
- युवाओं में अवसाद
- सरकारी योजना

इसके साथ ही सभी छात्र छात्राओं के लिए सामान्य ज्ञान क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमे सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया | इसके बाद रेडियो मधुबन के टीम से शुभलक्ष्मी, आरुशी, विनोद और शुभाश्री ने **मौताना प्रथा** और उसके सामाजिक दुष्प्रभाव विषय पर नाटक मंचन कर सभी को अभिभूत कर दिया | आदिवासी समुदाय से आने वाले आर.जे.विनोद कुमार बुम्बडीया ने रेडियो मधुबन द्वारा उनके जीवन में हुए योगदान के बारे में बताया | बी.के रवि ने युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा दी |

कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण किया गया जिसमे बाल विवाह पर उत्कृष्ट त्वरित नाटक प्रस्तुत करने वाले ग्रुप A विजेता रहे | जिसमे प्रेयल, पृथा, जिनेश, कोमल, मानसी एवं कृष्णा शामिल थे | रेडियो मधुबन के प्रोडक्शन हेड कृष्णा बहन एवं और ओमशांति भवन के रवि भाई ने निर्णायक के रूप में भूमिका निभाई | आर.जे. आरुषी और आर.जे. शुभाश्री ने मंच का कुशल सञ्चालन किया |